अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ने से चीनी निर्यात में तेजी

इस सीजन में कच्ची चीनी का सौदा 1,850 से 1,900 रुपये प्रति क्विंटल में हुआ

[जयश्री भोसले | पुणे]

कुछ समय की सुस्ती के बाद भारतीय शुगर मिलों ने जनवरी से चीनी का निर्यात फिर शुरू कर दिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्ची चीनी की कीमत में बढ़ोतरी और रुपये में सुधार से निर्यात बढ़ाने में मदद मिली है। अभी भारत की मिलों ने 1.5 लाख टन चीनी के निर्यात का कॉन्ट्रैक्ट किया है।

ऑल इंडिया शुगर ट्रेडर्स एसोसिएशन (AISTA) के प्रेसिडेंट प्रफुल्ल विठलानी ने बताया, 'पिछले एक महीने में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्ची चीनी की कीमतों में करीब 11 पर्सेंट की बढ़ोतरी हुई है। इसी दौरान भारतीय करेंसी में भी लगभग 11 पर्सेंट का मूवमेंट हुआ है। इन दोनों वजहों से भारतीय निर्यातकों ने ज्यादा कॉन्ट्रैक्ट साइन किए हैं।'

पिछले साल नवंबर में कच्चा तेल 50 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया था। इस वजह से चीनी के दाम में गिरावट आई थी। दरअसल, कच्चे तेल के दाम में गिरावट के चलते ब्राजील ने चीनी उत्पादन बढ़ाकर एथनॉल प्रॉडक्शन कम कर दिया था। एथनॉल का इस्तेमाल गाड़ियों में ईंधन के तौर पर किया जाता है।

- **अभी तक** भारत की मिलों ने 1.5 लाख टन चीनी के निर्यात का कॉन्ट्रैक्ट किया है
- **पिछले साल** नवंबर में कच्चे तेल के $50 प्रति बैरल से नीचे आने पर चीनी के दाम में गिरावट आई थी
- **वाइट शुगर** की डील 1,900 से 1,920 रुपये प्रति क्विंटल तक में हुई है

इस सीजन में कच्ची चीनी का सौदा 1,850 से 1,900 रुपये प्रति क्विंटल में हुआ है। वहीं, वाइट शुगर की डील 1,900 से 1,920 रुपये प्रति क्विंटल तक में हुई है। पिछले साल अक्टूबर में चीनी सत्र शुरू होने के समय शुगर इंडस्ट्री ने 15 से 16 लाख टन चीनी निर्यात का अनुमान लगाया था। अब तक करीब 9 लाख टन शुगर एक्सपोर्ट हुआ है। भारतीय मिलें ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और अफगानिस्तान जैसे कई देशों में चीनी निर्यात कर रही हैं। अफ्रीकी देशों ने जनवरी में चीनी की ज्यादा खरीदारी की। केंद्र ने गन्ना किसानों का बकाया चुकाने में चीनी मिलों की मदद करने की कोशिश कर रही है।

उसने मिलों की नकदी की समस्या को हल करने के लिए 2018-19 सीजन में 50 लाख टन का मिनिमम इंडिकेटिव एक्सपोर्ट कोटा (एमआईईक्यू) तय किया है। हालांकि, सरकार निर्यात की सुस्त रफ्तार से परेशान है। पिछले महीने जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, 'चीनी मिलों की तरफ से निर्यात सुस्त बना हुआ है। शुगर सीजन की पहली तिमाही में महज 2.46 लाख टन चीनी निर्यात हुआ और 6 लाख टन (2.46 लाख टन के एक्चुअल एक्सपोर्ट सहित) के ही कॉन्ट्रैक्ट मिले हैं।' इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) के प्रेसिडेंट रोहित पवार ने कहा, 'अगर सरकार मिनिमम सेलिंग प्राइस (MSP) में इजाफा कर दे तो मिलें उसके आवंटित कोटा के हिसाब से शुगर एक्सपोर्ट करने को राजी हो जाएंगी। फिलहाल, एमएसपी 29 रुपये प्रति किलो है।'

Economic times
21/1/19